Est

Chapter 4

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

וּמָרְדֳּכַי	יָדַע	אֶת־	כָּל־	אֲשֶׁר	נַעֲשָׂה	וַיִּקְרַע	מָרְדֳּכַי	אֶת־	בְּגָדָיו	וַיִּלְבַּשׁ
और-जब-मर्दकै-ने	जाना	को	सब	जो	हुआ-था	और-फाड़े	मर्दकै-ने	को	अपने-वस्त्र	और-पहना
H4782	H3045	H0853	H3605			H7167	H4782	H0853		H3847

שַׂק	וָאֵפֶר	וַיֵּצֵא	בְּתוֹךְ	הָעִיר	וַיִּזְעַק	זְעָקָה	גְדֹלָה	וּמָרָה׃
टाट	और-राख	और-निकला	बीच-में	नगर-के	और-चिल्लाया	चीख	बड़ी	और-दुखदायी
H8242	H0665	H3318	H8432		H2199	H2201		H4751

मोर्दकै ने, जो कुछ हो रहा था, उसके बारे में सब कुछ सुना। जब उसने यहूदियों के विरुद्ध राजा की आज्ञा सुनी तो अपने कपड़े फाड़ लिये। उसने शोक वस्त्र धारण कर लिये और अपने सिर पर राख डाल ली। वह ऊँचे स्वर में विलाप करते हुए नगर में निकल पड़ा।

2

וַיָּבוֹא	עַד	לִפְנֵי	שַׁעַר־	הַמֶּלֶךְ	כִּי	אֵין	לָבוֹא	אֶל־	שַׁעַר
और-वह-गया	यहाँ-तक	सामने-तक	फाटक-के	राजा-के	क्योंकि	कोई-नहीं	प्रवेश-कर-सकता-था	में	फाटक
H0935	H5704	H6440	H8179	H4428		H0369	H0935	H0413	H8179

הַמֶּלֶךְ	בִּלְבוּשׁ	שָׂק׃
राजा-के	पहनकर	टाट
H4428	H3830	H8242

किन्तु मोर्दकै बस राजा के द्वार तक ही जा सका क्योंकि शोक वस्त्रों को पहन कर द्वार के भीतर जाने की आज्ञा किसी को भी नहीं थी।

3

וּבְכָל־	מְדִינָה	וּמְדִינָה	מְקוֹם	אֲשֶׁר	דְּבַר־	הַמֶּלֶךְ	וְדָתוֹ	מַגִּיעַ	אֵבֶל	גָּדוֹל
और-प्रत्येक	प्रान्त	और-प्रान्त-में	जहाँ-कहीं	जहाँ	आज्ञा	राजा-की	और-व्यवस्था	पहुँची	शोक-था	बड़ा
H3605	H4082	H4082	H4725		H1697	H4428	H1881	H5060	H0060	

לַיְּהוּדִים	וְצוֹם	וּבְכִי	וּמִסְפֵּד	שַׂק	וָאֵפֶר	יֻצַּע	לָרַבִּים׃
यहूदियों-में	और-उपवास-के-साथ	और-रोना	और-विलाप	टाट-में	और-राख-में	लेटे-थे	बहुत
H3064	H6685	H1065	H4553	H8242	H0665	H3331	

हर किसी प्रांत में जहाँ कहीं भी राजा का यह आदेश पहुँचा, यहूदियों में रोना—धोना और शोक फैल गया। उन्होंने खाना छोड़ दिया और वे ऊँचे स्वर में विलाप करने लगे। बहुत से यहूदी शोक वस्त्रों को धारण किये हुए और अपने सिरों पर राख डाले हुए धरती पर पड़े थे।

4

וַתָּבוֹאינָה	נַעֲרוֹת	אֶסְתֵּר	וְסָרִיסֶיהָ	וַיַּגִּידוּ	לָהּ	וַתִּתְחַלְחַל	הַמַּלְכָּה	מְאֹד
तब-आईं	दासियाँ	एस्तेर-की	और-खोजे	और-बताया	उसे	और-बहुत-व्याकुल-हुई	रानी	बहुत
H0935	H5291	H0635	H5631	H5046			H4436	H3966

וַתִּשְׁלַח	בְּגָדִים	לְהַלְבִּישׁ	אֶת־	מָרְדֳּכַי	וּלְהָסִיר	שַׂקּוֹ	מֵעָלָיו	וְלֹא
और-उसने-भेजे	वस्त्र	पहनाने-के-लिए	को	मर्दकै	और-उतारने-के-लिए	उसका-टाट	उस-पर-से	परन्तु-नहीं
H7971		H3847	H0853	H4782	H5493	H8242		H3808

קִבֵּל׃
उसने-स्वीकार-किए
H6901

एस्तेर की दासियों और खोजों ने एस्तेर के पास जाकर उसे मोर्दकै के बारे में बताया। इससे महारानी एस्तेर बहुत दु:खी और व्याकुल हो उठी। उसने मोर्दकै के पास शोक वस्त्रों के बजाय दूसरे कपड़े पहनने को भेजे। किन्तु उसने वे वस्त्र स्वीकार नहीं किये।

5

וַתִּקְרָא	אֶסְתֵּר	לַהֲתָךְ	מִסָּרִיסֵי	הַמֶּלֶךְ	אֲשֶׁר	הֶעֱמִיד	לְפָנֶיהָ
और-बुलाया	एस्तेर-ने	हताक-को	खोजों-में-से-एक	राजा-के	जिसे	उसने-ठहराया-था	उसकी-सेवा-के-लिए
H7121	H0635	H2047	H5631	H4428		H5975	H6440

וַתְּצַוֵּהוּ	עַל־	מָרְדֳּכָי	לָדַעַת	מַה־	זֶּה	וְעַל־	מַה־	זֶּה׃
और-उसने-आज्ञा-दी-उसे	के-विषय-में	मर्दकै	जानने-के-लिए	क्या-है	यह	और-क्यों	और-क्या	यह
H6680		H4782	H3045	H4100	H2088		H4100	H2088

इसके बाद एस्तेर ने हताक को अपने पास बुलाया। हताक एक ऐसा खोजा था जिसे राजा ने उसकी सेवा के लिये नियुक्त किया था। एस्तेर ने उसे यह पता लगाने का आदेश दिया कि मोर्दकै को क्या व्याकुल बनाये हुए है और क्यों

6

וַיֵּצֵא	הֲתָךְ	אֶל־	מָרְדֳּכָי	אֶל־	רְחוֹב	הָעִיר	אֲשֶׁר	לִפְנֵי	שַׁעַר־	הַמֶּלֶךְ׃
तब-निकला	हताक	के-पास	मर्दकै	में	चौक	नगर-के	जो	सामने-था	फाटक-के	राजा-के
H3318	H2047	H0413	H4782	H0413	H7339			H6440	H8179	H4428

सो हताक नगर के उस खुले मैदान में गया जहाँ राजद्वार के आगे मोर्दकै मौजूद था।

7

וַיַּגֶּד־	לוֹ	מָרְדֳּכַי	אֵת	כָּל־	אֲשֶׁר	קָרָהוּ	וְאֵת	פָּרָשַׁת	הַכֶּסֶף	אֲשֶׁר
और-बताया	उसे	मर्दकै-ने	को	सब	जो	उस-पर-हुआ-था	और	-का-ब्यौरा	चाँदी	जो
H5046		H4782	H0853	H3605			H0853	H6575	H3701	

אָמַר	הָמָן	לִשְׁקוֹל	עַל־	גִּנְזֵי	הַמֶּלֶךְ	[ביהודיים]	(בַּיְּהוּדִים)	לְאַבְּדָם׃
कहा-था	हामान-ने	तौलने-को	में	खजानों	राजा-के	यहूदियों-के-लिए	यहूदियों-के-लिए	नाश-करने-को
H0559	H2001	H8254		H1595	H4428	H3064	H3064	H0006

वहाँ मोर्दकै ने हताक से, जो कुछ हुआ था, सब कह डाला। उसने हताक को यह भी बताया कि हामान ने यहूदियों की हत्या के लिये राजा के कोष में कितना धन जमा कराने का वादा किया है।

8

וְאֶת־	פַּתְשֶׁגֶן	כְּתָב־	הַדָּת	אֲשֶׁר־	נִתַּן	בְּשׁוּשָׁן	לְהַשְׁמִידָם	נָתַן	לוֹ
और-भी	प्रतिलिपि	लिखित	आज्ञा-की	जो	दी-गई-थी	शूशन-में	उनके-विनाश-के-लिए	उसने-दी	उसे
H0853		H3791	H1881		H5414	H7800	H8045	H5414	

לְהַרְאוֹת	אֶת־	אֶסְתֵּר	וּלְהַגִּיד	לָהּ	וּלְצַוּוֹת	עָלֶיהָ	לָבוֹא	אֶל־	הַמֶּלֶךְ
दिखाने-के-लिए	को	एस्तेर	और-समझाने-के-लिए	उसे	और-आज्ञा-देने-को	उसे	जाने	पास	राजा-के
H7200	H0853	H0635	H5046		H6680		H0935	H0413	H4428

לְהִתְחַנֶּן־	לוֹ	וּלְבַקֵּשׁ	מִלְּפָנָיו	עַל־	עַמָּהּ׃
विनती-करने	उससे	और-प्रार्थना-करने	उसके-सामने	के-लिए	अपनी-प्रजा
		H1245	H6440		

मोर्दकै ने हताक को यहूदियों की हत्या के लिये राजा के आदेश पत्र की एक प्रति भी दी। वह आदेश पत्र शूशन नगर में हर कहीं भेजा गया था। मोर्दकै यह चाहता था कि वह उस पत्र को एस्तेर को दिखा दे और हर बात उसे पूरी तरह बता दे और उसने उससे यह भी कहा कि वह एस्तेर को राजा के पास जाकर मोर्दकै और उसके अपने लोगों के लिये दया की याचना करने को प्रेरित करे।

9

וַיָּבוֹא	הֲתָךְ	וַיַּגֵּד	לְאֶסְתֵּר	אֵת	דִּבְרֵי	מָרְדֳּכָי׃
तो-लौटा	हताक	और-बताया	एस्तेर-को	को	बातें	मर्दकै-की
H0935	H2047	H5046	H0635	H0853	H1697	H4782

हताक एस्तेर के पास लौट आया और उसने एस्तेर से मोर्दकै ने जो कुछ कहने को कहा था, सब बता दिया।

10

וַתֹּאמֶר	אֶסְתֵּר	לַהֲתָךְ	וַתְּצַוֵּהוּ	אֶל־	מָרְדֳּכָי׃
और-कहा	एस्तेर-ने	हताक-से	और-आज्ञा-दी-उसे	के-लिए	मर्दकै
H0559	H0635	H2047	H6680	H0413	H4782

फिर एस्तेर ने मोर्दकै को हताक से यह कह ला भेजा:

11

כָּל־	עַבְדֵי־	הַמֶּלֶךְ	וְעַם־	מְדִינוֹת	הַמֶּלֶךְ	יֹדְעִים	אֲשֶׁר	כָּל־	אִישׁ	וְאִשָּׁה	אֲשֶׁר
सब	सेवक	राजा-के	और-लोग	प्रान्तों-के	राजा-के	जानते-हैं	कि	कोई-भी	पुरुष	या-स्त्री	जो
H3605	H5650	H4428		H4082	H4428	H3045		H3605	H0376	H0802	

יָבוֹא־	אֶל־	הַמֶּלֶךְ	אֶל־	הֶחָצֵר	הַפְּנִימִית	אֲשֶׁר	לֹא־	יִקָּרֵא	אַחַת	דָּתוֹ
जाता-है	पास	राजा-के	में	आँगन	भीतरी	जो	नहीं	बुलाया-गया-है	एक	दण्ड
H0935	H0413	H4428	H0413		H6442		H3808	H7121	H0259	H1881

לְהָמִית	לְבַד	מֵאֲשֶׁר	יוֹשִׁיט־	לוֹ	הַמֶּלֶךְ	אֶת־	שַׁרְבִיט	הַזָּהָב	וְחָיָה	וַאֲנִי
मार-डाला-जाए	सिवाय	उसके	बढ़ाए	जिसे	राजा	को	राजदण्ड	सोने-का	कि-वह-जीवित-रहे	और-मैं
H4191	H0905		H3447		H4428	H0853	H8275	H2091	H2421	H0589

לֹא	נִקְרֵאתִי	לָבוֹא	אֶל־	הַמֶּלֶךְ	זֶה	שְׁלוֹשִׁים	יוֹם׃
नहीं	बुलाई-गई-हूँ	जाने-को	पास	राजा-के	यह	तीस	दिन
H3808	H7121	H0935	H0413	H4428	H2088	H7970	H3117

> “मोर्दकै, राजा के सभी मुखिया और राजा के प्रांतों के सभी लोग यह जानते हैं कि किसी भी पुरुष अथवा स्त्री के लिए राजा का बस यही एक नियम है कि राजा के पास बिना बुलाये जो भी जाता है, उसे प्राणदण्ड दिया जाता है। इस नियम का पालन बस एक ही स्थिति में उस समय नहीं किया जाता था जब राजा अपने सोने के राजदण्ड को उस व्यक्ति की ओर बढ़ा देता था। यदि राजा ऐसा कर देता तो उस व्यक्ति के प्राण बच जाते थे किन्तु मुझे तीस दिन हो गये हैं और राजा से मिलने के लिये मुझे नहीं बुलाया गया है।”

12

וַיַּגִּידוּ	לְמָרְדֳּכָי	אֵת	דִּבְרֵי	אֶסְתֵּר׃	פ
तो-बताया	मर्दकै-को	को	बातें	एस्तेर-की	—
H5046	H4782	H0853	H1697	H0635	

> इसके बाद एस्तेर का सन्देश मोर्दकै के पास पहुँचा दिया गया। उस सन्देश को पा कर मोर्दकै ने उसे वापस उत्तर भेजा: “एस्तेर, ऐसा मत सोच कि तू बस राजा के महल में रहती है इसीलिए बच निकलने वाली एकमात्र यहूदी होगी।

13

וַיֹּאמֶר	מָרְדֳּכַי	לְהָשִׁיב	אֶל־	אֶסְתֵּר	אַל־	תְּדַמִּי	בְנַפְשֵׁךְ	לְהִמָּלֵט	בֵּית־	הַמֶּלֶךְ
और-कहा	मर्दकै-ने	उत्तर-देने	को	एस्तेर	न	सोचो	अपने-मन-में	कि-तू-बचेगी	महल-में	राजा-के
H0559	H4782	H7725	H0413	H0635	H0408	H1819	H5315	H4422		H4428

מִכָּל־	הַיְּהוּדִים׃
सब-से-अधिक	यहूदियों
H3605	H3064

> इसके बाद एस्तेर का सन्देश मोर्दकै के पास पहुँचा दिया गया। उस सन्देश को पा कर मोर्दकै ने उसे वापस उत्तर भेजा: “एस्तेर, ऐसा मत सोच कि तू बस राजा के महल में रहती है इसीलिए बच निकलने वाली एकमात्र यहूदी होगी।

14

כִּי	אִם־	הַחֲרֵשׁ	תַּחֲרִישִׁי	בָּעֵת	הַזֹּאת	רֶוַח	וְהַצָּלָה	יַעֲמוֹד	לַיְּהוּדִים
क्योंकि	यदि	पूरी-तरह	तू-चुप-रहेगी	समय-में	इस	छुटकारा	और-उद्धार	उठेगा	यहूदियों-के-लिए
				H6256	H2063	H7305	H2020	H5975	H3064

מִמָּקוֹם	אַחֵר	וְאַתְּ	וּבֵית־	אָבִיךְ	תֹּאבֵדוּ	וּמִי	יוֹדֵעַ	אִם־	לְעֵת
स्थान-से	दूसरे	परन्तु-तू	और-घराना	अपने-पिता-का	नाश-होगा	और-कौन	जानता-है	यदि	समय-के-लिए
H4725	H0312			H0001	H0006	H4310	H3045		H6256

כָּזֹאת	הִגַּעַתְּ	לַמַּלְכוּת׃
ऐसे	तू-आई-है	राज्य-में
H2063	H5060	H4438

> यदि अभी तू चुप रहती है तो यहूदियों के लिये सहायता और मुक्ति तो कहीं और से आ ही जायेगी किन्तु तू और तेरे पिता का परिवार सभी मार डाले जायेंगे और कौन जानता है कि तू किसी ऐसे ही समय के लिये महारानी बनाई गयी हो, जैसा समय यह है।”

15

וַתֹּאמֶר	אֶסְתֵּר	לְהָשִׁיב	אֶל־	מָרְדֳּכָי׃
और-कहा	एस्तेर-ने	उत्तर-देने	को	मर्दकै
H0559	H0635	H7725	H0413	H4782

> इस पर एस्तेर ने मोर्दकै को अपना यह उत्तर भिजवाया: “मोर्दकै, जाओ और जाकर सभी यहूदियों को शूशन नगर में इकट्ठा करो और मेरे लिये उपवास रखो। तीन दिन और तीन रात तक न कुछ खाओ और न कुछ पीओ। तेरी तरह मैं भी उपवास रखूँगी और साथ ही मेरी दासियाँ भी उपवास रखेंगी। हमारे उपवास रखने के बाद मैं राजा के पास जाऊँगी। मैं जानती हूँ कि यदि राजा मुझे न बुलाए तो उसके पास जाना नियम के विरुद्ध है किन्तु चाहे मैं मर ही क्यों न जाऊँ, मेरी हत्या ही क्यों न कर दी जाये, जैसे भी बन पड़ेगा, ऐसा करूँगी।”

16

לֵךְ	כְּנוֹס	אֶת־	כָּל־	הַיְּהוּדִים	הַנִּמְצְאִים	בְּשׁוּשָׁן	וְצוּמוּ	עָלַי	וְאַל־
जा	इकट्ठा-कर	को	सब	यहूदियों-को	जो-हैं	शूशन-में	और-उपवास-करो	मेरे-लिए	और-न
H3212	H3664	H0853	H3605	H3064	H4672	H7800	H6684		H0408

תֹּאכְלוּ	וְאַל־	תִּשְׁתּוּ	שְׁלֹשֶׁת	יָמִים	לַיְלָה	וָיוֹם	גַּם־	אֲנִי	וְנַעֲרֹתַי	אָצוּם
खाओ	और-न	पिओ	तीन	दिन	रात	या-दिन	भी	मैं	और-मेरी-दासियाँ	उपवास-करेंगी
H0398	H0408	H8354	H7969	H3117	H3915	H3117	H1571	H0589	H5291	H6684

כֵּן	וּבְכֵן	אָבוֹא	אֶל־	הַמֶּלֶךְ	אֲשֶׁר	לֹא־	כַדָּת	וְכַאֲשֶׁר	אָבַדְתִּי	אָבָדְתִּי׃
ऐसे-ही	और-तब	मैं-जाऊँगी	पास	राजा-के	जो	विरुद्ध-है	व्यवस्था-के	और-यदि	मैं-नाश-होऊँ	मैं-नाश-होऊँ
		H0935	H0413	H4428		H3808	H1881		H0006	H0006

> इस पर एस्तेर ने मोर्दकै को अपना यह उत्तर भिजवाया: “मोर्दकै, जाओ और जाकर सभी यहूदियों को शूशन नगर में इकट्ठा करो और मेरे लिये उपवास रखो। तीन दिन और तीन रात तक न कुछ खाओ और न कुछ पीओ। तेरी तरह मैं भी उपवास रखूँगी और साथ ही मेरी दासियाँ भी उपवास रखेंगी। हमारे उपवास रखने के बाद मैं राजा के पास जाऊँगी। मैं जानती हूँ कि यदि राजा मुझे न बुलाए तो उसके पास जाना नियम के विरुद्ध है किन्तु चाहे मैं मर ही क्यों न जाऊँ, मेरी हत्या ही क्यों न कर दी जाये, जैसे भी बन पड़ेगा, ऐसा करूँगी।”

17

וַיַּעֲבֹר	מָרְדֳּכָי	וַיַּעַשׂ	כְּכֹל	אֲשֶׁר־	צִוְּתָה	עָלָיו	אֶסְתֵּר׃	ס
तो-चला-गया	मर्दकै	और-किया	सब-के-अनुसार	जो	आज्ञा-दी-थी	उसे	एस्तेर-ने	—
	H4782		H3605		H6680		H0635	

> इस प्रकार मोर्दकै वहाँ से चला गया और एस्तेर ने उससे जैसा करने को कहा था उसने सब कुछ वैसा ही किया।